(i) **Printed Pages : 4** **Roll No. .....**

(ii) **Questions : 14** **Sub. Code :** 0 0 1 1

Exam. Code : 0 0 0 1

B.A./B.Sc. (General) 1st Semester

1125

SANSKRIT (Elective)

Paper : A : Katha, Niti Evam Vyakaran

Time Allowed : 3 Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :- (1) **सभी** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

(2) प्रश्नों के उत्तर युक्ति-युक्त एवं तर्कसङ्गत शैली में दिए जाएं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की अनुवाद सहित सप्रसङ्ग व्याख्या करें :- 5

(क) अथ प्रातः प्रबुद्धः सन् स्वपन स्मरंश्चिन्ताचक्रमारूढास्तिष्ठति – अहो, सत्योऽयं स्वप्नः, किं वा असत्यो भविष्यति, न ज्ञायते। अथवा नूनं मिथ्याऽनेन भाव्यम्। यतोऽहमहर्निशं केवलं वित्तमेव चिन्तयामि।

(ख) अथ सा, कदाचिच्छय्यायां पुत्रं शाययित्वा जलकुम्भमादाय, पतिमुवाच - "ब्रह्मण ! जलार्थमहं तडागे यास्यामि। त्वया पुत्रोऽयं नकुलाद्रक्षणीयः।" अथ तस्यां गतायां पृष्ठे ब्राह्म णोऽपि शून्यं गृहं मुक्त्वा भिक्षार्थं क्वचिन्निर्गतः।

(ग) तौ ऊचतुः – "भोः, पृष्ठतस्ताम्रमयी भूमिः, अग्रतो रुप्यमयी। तन्नूनमग्रे सुवर्णमयी भविष्यति। किञ्चाऽनेन प्रभूतेनाऽपि दारिद्र्यनाशो न भवति। तदावामग्रे यास्यावः।" एवमुक्त्वा द्वाप्यग्रे प्रस्थितौ। सोऽपि स्वशक्तया रूप्यमादाय निवृत्तः।

2. निम्नलिखित सूक्ति/श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या करें :- 10

(क) शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्य, मधुरता कुले जन्म।
न विराजन्ति हि सर्वे वित्तविहीनस्य पुरुषस्य।।

(ख) कुद्धष्टं कुपरिज्ञातं कुश्रुतं कुपरीक्षितम्।
तन्नरेण न कर्तव्य, नापितेनाऽत्र यत्कृतम्।।

(ग) कुपुत्रोऽपि भवेत्पुंसां हृदयानन्दकारकः।
दुर्विनीतः कुरूपोऽपि, मूर्खोऽपि, व्यसनी, खलः

(घ) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे।
राजद्वारे श्मशाने व यस्तिष्ठति सवान्धवः।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कथा का सार अपने शब्दों में लिखें :- 5

(क) ब्राह्मणीनकुल-कथा।

(ख) लोभाविष्टचक्रधर-कथा।

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या करें :- 2×5=10

(क) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञातायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

(ख) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चंद्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृताः मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते अखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।

(ग) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि।।

(घ) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगश्चरन्ति।।

5. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की अनुवाद सहित सप्रसङ्ग व्याख्या करें :- 1×5=5

(क) सतसंगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।

(ख) सुकविता यद्यस्ति राज्येन किम्।

(ग) विवेकभ्रष्टानांभवतिविनिपातःशतमुखः।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** व्यावहारिक शब्दों को संस्कृत में लिखें :- 10×1=10

(क) अंगुली, आँख, दाँत, पेट, कमर,

(ख) खजूर, बेर, लीची, नारियल

(ग) ककड़ी, पालक, साग, गोभी, मिर्च।

7. निम्नलिखित वर्णों में से किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान लिखें :- 4×1=4

ख, छ, ठ, त, प, न, म, ष, इ, ए

8. निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं **पाँच** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें :- 5×1=5

तत्र, कुत्र, अन्यत्र, एकत्र, ततः, तदा, सदा, यथा

9. निम्नलिखित संख्यावाची शब्दों में से किन्हीं **पाँच** को संस्कृतः में लिखें :- 5×1=5

2, 5, 16, 19, 21, 24, 36, 33, 40, 45, 26

10. वार **अथवा** करण संस्कृत: में लिखें। 5

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्धि करें :- 5×1=5

हिम+आलय:, मुर+अरि:, रवि+इन्द्र:, कवि+ईश्वर:, सु+उक्ति:, वधू+उवाच, सुर + इन्द्र:, नर+उत्तम:, देव+ऋषि:, एक+एकम्।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें :- 2×4=8

राम, लता, मति, नदी।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** धातुओं के लट्, लोट्, लृट् तथा लङ् लकारों में धातु रूप लिखें :- 2×4=8

वद्, पा, गम्, पठ्।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों को संस्कृत: में लिखें :- 5×1=5

(i) मैं चलचित्र देखता हूँ।

(ii) मैं पाठ पढ़ता हूँ।

(iii) तू कहाँ रहता है ?

(iv) हम सब खेलते हैं।

(v) तुम सब कहाँ पढ़ते हो ?

(vi) वे सब कहाँ रहते हैं ?

(vii) सीता वन को जाती है।

(viii) राम और सीता वन को जा रहे हैं।

(ix) हम कल दिल्ली जाएँगे।

(x) सत्य बोलो।